

03617

MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)

Term-End Examination

June, 2011

MSOE-003 : SOCIOLOGY OF RELIGION

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

*Note : Answer any five questions in about 500 words each.
Select at least two questions from each section.*

SECTION - A

1. Distinguish between the sociological and anthropological perspectives to the study of religion. 20
2. Write a critique of the functionalist interpretation of religion. 20
3. 'Religion is the super-structure of the society'. Comment. 20
4. How does religion contribute to healing? Answer with suitable examples. 20
5. Write short notes in *any four* of the following in 100 words each : 4x5=20
 - (a) Difference between magic and religion.
 - (b) Difference between sacred and profane
 - (c) This worldly asceticism
 - (d) Tribal cosmology
 - (e) The concept of soul

SECTION - B

6. Critically evaluate Peter Berger's concept of secularization. **20**
 7. Explain the social context of development and diffusion of Buddhism. **20**
 8. Analyse the social significance of Purusharth as practiced in Hinduism. **20**
 9. Write an essay on the social significance of religious cults in contemporary India with suitable example. **20**
 10. Write short notes on the following :
 - (a) Communalism. **10**
 - (b) Genesis of Islam. **10**
-

एम.ए. (समाजशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.एस.ओ.ई.-003 : धर्म का समाजशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग - क

1. धर्म के अध्ययन के संबंध में समाजशास्त्रीय एवं नृविज्ञानीय परिप्रेक्ष्यों के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 20
2. धर्म की प्रकार्यात्मक व्याख्या की समालोचना लिखिए। 20
3. 'धर्म, समाज की अधिरचना (super-structure) है'। टिप्पणी कीजिए। 20
4. धर्म, दुख निवारण (healing) में किस प्रकार सहायक है? उचित उदाहरणों की सहायता से उत्तर दीजिए। 20

5. **किन्हीं चार** (प्रत्येक) पर लगभग 100 शब्दों में नोट लिखिए :

- (a) जादू-टोना और धर्म के बीच का अंतर 4x5=20
- (b) पवित्र एवं लौकिक (profane) के बीच का अंतर
- (c) यह सांसारिक वैराग्यवृत्ति (asceticism)
- (d) जनजातीय विश्वमीमांसा
- (e) आत्मा की संकल्पना

भाग - ख

6. पीटर बर्गर (Berger) की धर्मनिरपेक्षतावाद की संकल्पना का 20
आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
7. विकास के सामाजिक संदर्भ और बौद्ध धर्म के विसरण 20
(diffusion) को स्पष्ट कीजिए।
8. हिंदू धर्म में प्रचलित पुरुषार्थ के सामाजिक महत्त्व का विश्लेषण 20
कीजिए।
9. समकालीन भारत में धार्मिक संप्रदायों के सामाजिक महत्त्व पर 20
उचित उदाहरण दे कर निबंध लिखिए।
10. संक्षेप में नोट लिखिए :
- (a) सांप्रदायिकता 10
- (b) इस्लाम की उत्पत्ति (जेनेसिस) 10
-